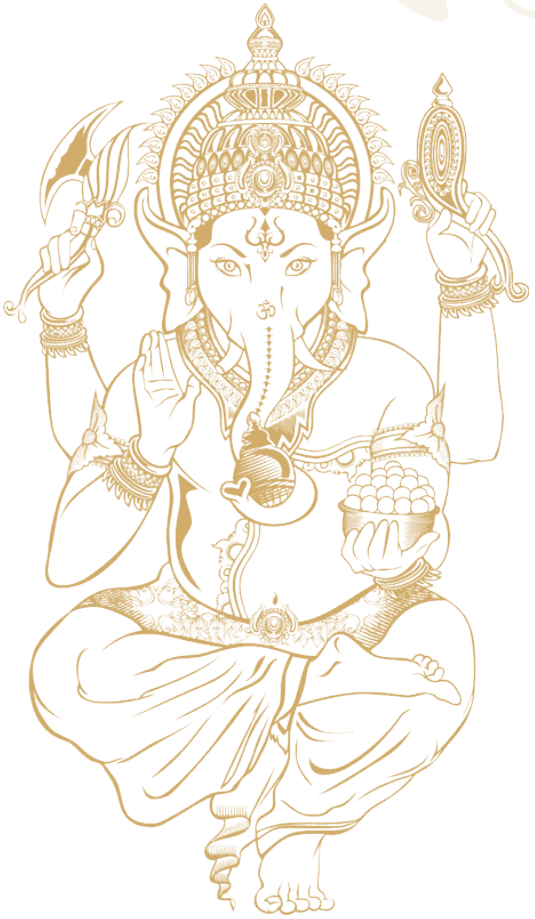

Vasundhara Tannvi

19 Nov 2000

08:00 PM

Ramgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121036809

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/11/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	34:46:49 घटी
स्थान	**Ramgarh**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	23:37:00 उत्तर
रेखांश	85:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:12:08 घंटे
वेलान्तर	00:14:35 घंटे
साम्पातिक काल	00:07:50 घंटे
सूर्योदय	06:05:16 घंटे
सूर्यास्त	17:01:22 घंटे
दिनमान	10:56:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	03:42:07 वृश्चिक
लग्न के अंश	17:44:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:44:24	320:07:12	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	03:42:07	01:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	16:07:05	13:49:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			कन्या	15:39:37	00:36:39	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	15:12:08	01:18:00	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	13:26:08	00:07:59	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	13:55:51	01:11:40	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृष	03:37:11	00:04:54	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	22:55:47	00:01:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	22:55:47	00:01:35	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:16:30	00:01:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:16:03	00:01:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:17:44	00:02:16	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मीन	08:15:58	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:52

लग्न-चलित

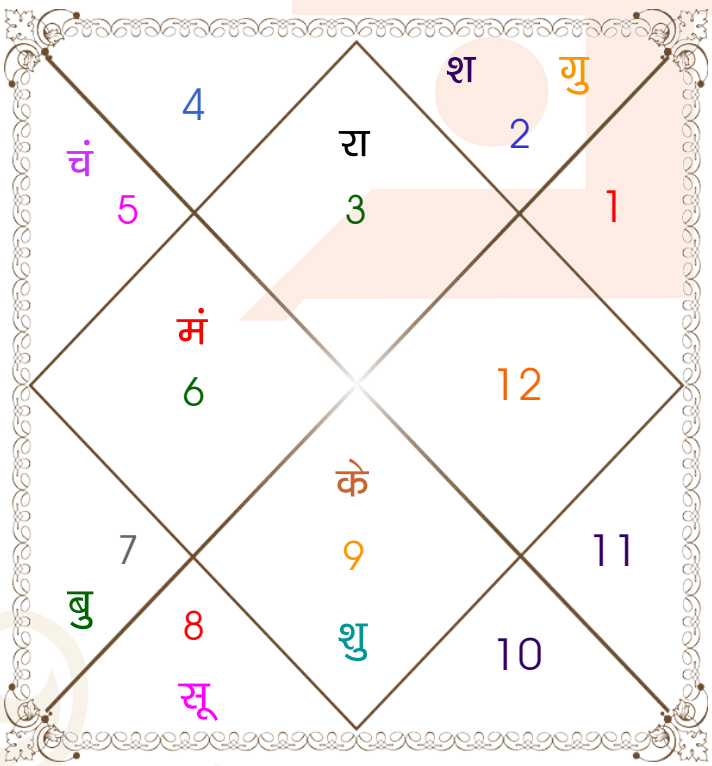

चन्द्र कुंडली

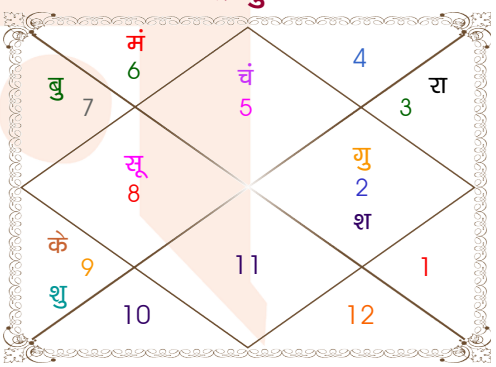

नवमांश कुंडली

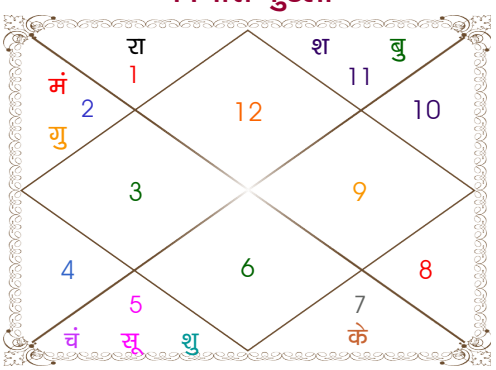

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 9 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/11/2000		16/09/2016		16/09/2022		16/09/2032		16/09/2039	
16/09/2016		16/09/2022		16/09/2032		16/09/2039		16/09/2057	
	19/11/2000	सूर्य	03/01/2017	चंद्र	18/07/2023	मंगल	12/02/2033	राहु	30/05/2042
सूर्य	15/01/2001	चंद्र	05/07/2017	मंगल	16/02/2024	राहु	02/03/2034	गुरु	22/10/2044
चंद्र	16/09/2002	मंगल	10/11/2017	राहु	16/08/2025	गुरु	06/02/2035	शनि	29/08/2047
मंगल	16/11/2003	राहु	04/10/2018	गुरु	16/12/2026	शनि	17/03/2036	बुध	18/03/2050
राहु	16/11/2006	गुरु	24/07/2019	शनि	17/07/2028	बुध	14/03/2037	केतु	05/04/2051
गुरु	17/07/2009	शनि	05/07/2020	बुध	16/12/2029	केतु	10/08/2037	शुक्र	05/04/2054
शनि	16/09/2012	बुध	11/05/2021	केतु	17/07/2030	शुक्र	11/10/2038	सूर्य	28/02/2055
बुध	18/07/2015	केतु	16/09/2021	शुक्र	17/03/2032	सूर्य	15/02/2039	चंद्र	28/08/2056
केतु	16/09/2016	शुक्र	16/09/2022	सूर्य	16/09/2032	चंद्र	16/09/2039	मंगल	16/09/2057

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/09/2057		16/09/2073		16/09/2092		17/09/2109		17/09/2116	
16/09/2073		16/09/2092		17/09/2109		17/09/2116		00/00/0000	
गुरु	04/11/2059	शनि	19/09/2076	बुध	12/02/2095	केतु	13/02/2110	शुक्र	17/01/2120
शनि	17/05/2062	बुध	30/05/2079	केतु	10/02/2096	शुक्र	15/04/2111	सूर्य	20/11/2120
बुध	22/08/2064	केतु	08/07/2080	शुक्र	10/12/2098	सूर्य	21/08/2111		00/00/0000
केतु	29/07/2065	शुक्र	07/09/2083	सूर्य	17/10/2099	चंद्र	21/03/2112		00/00/0000
शुक्र	29/03/2068	सूर्य	19/08/2084	चंद्र	18/03/2101	मंगल	17/08/2112		00/00/0000
सूर्य	15/01/2069	चंद्र	21/03/2086	मंगल	16/03/2102	राहु	05/09/2113		00/00/0000
चंद्र	17/05/2070	मंगल	29/04/2087	राहु	02/10/2104	गुरु	12/08/2114		00/00/0000
मंगल	23/04/2071	राहु	05/03/2090	गुरु	08/01/2107	शनि	20/09/2115		00/00/0000
राहु	16/09/2073	गुरु	16/09/2092	शनि	17/09/2109	बुध	17/09/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 10 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।